# छत्तीसगढ़ नि:शक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर (छ.ग.)

(छत्तीसगढ़ शासन, समाज कल्याण विभाग का उपक्रम)

# वार्षिक प्रतिवेदन

वर्ष 2014-15

पुराना डी.आर.डी.ए. भवन कलेक्टोरेट परिसर,
रायपुर (छ.ग.)

Scanned with OKEN Scanner

# अनुक्रमणिका


| क्र | विवरण | पृष्ठ क्रमांक |
|---|---|---|
| 1. | निगमन का प्रमाण पत्र | 01 |
| 2. | कारोबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण पत्र | 02 |
| 3. | निगम की योजनाएं | 3–5 |
| 4. | निगम की पद संरचना | 06 |
| 5. | वार्षिक प्रतिवेदन | 7–10 |
| 6. | महालेखाकार की टिप्पणी | 11–14 |


Scanned with OKEN Scanner

प्रारूप आई. आर.
FORM I.R.

# निगमन का प्रमाण पत्र

# *Certificate of Incorporation*

No. U 85320 CT 2004 NPL 16765

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त आवास विकास निगम

कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन निगमित की गई है और कम्पनी परिसीमित है।

I hereby certify that CHHATTISGARH NISHAKAT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM

is this day incorporated under the Companies Act, 1956 (No. 1 of 1956) and that the Company is limited by shares.

मेरे हस्ताक्षर से आज तारीख अट्ठाईस आषाढ़ शक उन्नीस सौ छब्बीस को दिया गया।

Given under my hand at GWALIOR this NINETEENTH day of JULY Two Thousand FOUR

कम्पनी रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
Madhya Pradesh & Chhattisgarh
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

(DR. RAJ SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
Madhya Pradesh & Chhattisgarh
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़

Scanned with OKEN Scanner

सत्यमेव जयते

# कारबार प्रारम्भ करने के लिए प्रमाण-पत्र

## Certificate for Commencement of Business

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 149 (3) के अनुसरण में

Pursuant of Section 149 (3) of the Companies Act. 1956

ता... .....का सं.....

No. 10-16765 of 2004

मैं एतद् द्वारा प्रमाणित करता हूँ कि छत्तीसगढ़ निःशक्त-जन वित्त एवम् विकास निगम

जो कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन तारीख 19.7.2004 को निगमित की गई थी और जिसने आज विहित प्रारूप में सम्यक् रूप से सत्यापित घोषणा फाइल कर दी है कि उक्त अधिनियम की धारा 149 (1) (क) से लेकर (घ) तक/149 (2) (क) से लेकर (ग) तक की शर्तों का अनुपालन किया गया है, कारबार प्रारम्भ करने की हकदार है।

I hereby certify that the CHHATTISGARH NISHAKAT-JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM .

which was incorporated under the Companies Act, 1956 on the 19th day of JULY, 2004. 19XX and which has this day filed a duly verified declaration in this prescribed from that the conditions of section 149 (1) (a) to (d)/149 (2) (a) to (c) of the said Act, have been complied with is entitled to commence business.

मेरे हस्ताक्षर से यह तारीख 21-6-2005 को ग्वालियर में दिया गया।

Give under my hand at GWALIOR

this TWENTY FIRST day of JUNE

and TWO THOUSAND FIVE.

कम्पनी रजिस्ट्रार Registrar of Companies मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़ Madhya Pradesh & Chhattisgarh

(DR. RAJ SINGH)
कम्पनियों का रजिस्ट्रार
Registrar of Companies
कम्पनी रजिस्ट्रार
मध्य प्रदेश एवं छत्तीसगढ़



Scanned with OKEN Scanner

## छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

छत्तीसगढ़ राज्य में शासन द्वारा रूपये 5 करोड़ की अंशपूंजी से कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 25 के अन्तर्गत लाभ न कमाने वाली कम्पनी के रूप में दिनांक 20 मई 2004 को स्थापित की गई है। यह पूर्णतः छत्तीसगढ़ शासन के स्वामित्व में है। कम्पनी के प्रबंधन छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नामित निदेशक मंडल द्वारा किया जाता है। इसे समाज कल्याण विभाग के अन्तर्गत स्थापित किया गया है। छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम को नेशनल हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड डेवलपमेंट कार्पोरेशन की चैनेलाईजिंग एजेन्सी दिनांक 06.09.2004 को घोषित किया गया हैं राज्य में दिव्यांगजनों को नेशलन हेन्डीकेप्ड फायनेंस एण्ड कार्पोरेशन के शर्तों के अधीन ऋण स्वीकृत किया जा रहा है।

- दिव्यांगजनों के लाभ हेतु आर्थिक विकास के क्रियाकलापों एवं स्वरोजगार उद्यमों को बढ़ावा देना।
- दिव्यांगजनों को स्वरोजगार उद्यमों के उचित एवं दक्ष प्रबंधन के लिए उनके उद्यमी कौशल को उन्नत करने के लिए ऋण देना।
- दिव्यांगजनों को व्यावसायिक पुनर्वास/स्वरोजगार के योग्य बनाने वाली व्यावसायिक/तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए ऋण देना।
- स्वरोजगार में लगे दिव्यांगजनों को उनके द्वारा तैयार माल के विपणन के लिए सहयोग प्रदान करना।

### निगम की योजनाएं :–

निगम द्वारा दिव्यांग व्यक्तियों को आय प्रदान करने वाली व्यापक गतिविधियों में सहायता दी जाती है, जो इस प्रकार है :–

- **सेवा/व्यापार क्षेत्र में लघु व्यवसाय लगाने के लिए :–**

बिक्री व्यापार क्रियाकलापों के लिए 5 लाख रूपए तक एवं सेवा क्षेत्र के क्रियाकलापों के लिए 10 लाख रूपए तक ऋण दिया जाता है।

- **कृषि क्रियाकलापों के लिए :–**

10 लाख रूपए तक ऋण दिव्यांग व्यक्तियों को कृषि उत्पादन, सिचाई, बागवानी, रेशम उत्पादन, कृषि कार्य सेवा, कृषि उत्पादन के विपणन आदि के लिए कृषि मशीनरी/उपकरण की खरीद के लिए ऋण सहायता दी जाती है।

- **वाहन क्रय करने के लिए :–**

10 लाख रूपए तक ऋण वाणिज्यिक किराये पर देने के उद्देश्य से ऑटो रिक्शा सहित किसी भी वाहन खरीद पर।

- **मानसिक मंदता, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचार भ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों के स्वरोजगार के लिए – 10 लाख रूपए तक ऋण।**

मानसिक मंद, मस्तिष्क पक्षाघात तथा विचारभ्रम से ग्रस्त व्यक्तियों की तरफ से उनके माता–पिता, पति/पत्नी अथवा उनके कानूनी अभिभावक वित्तीय सहायता प्राप्त कर सकते है।



Scanned with OKEN Scanner

- **निपुणता एवं उद्यमी विकास कार्यक्रम के लिए :–**

  व्यक्तियों को कुशल बनाने और उद्यमी विकास प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए चैनेलाईजिंग एजेंसियों को अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है।

- **लघु आद्यौगिक इकाई स्थापित करने के लिए :'–**

  25 लाख रूपये तक ऋण दिव्यांगजनों को निर्माण, बढ़ई एवं उत्पादन के लिए सहायता दी जाती है।

- **सूक्ष्म वित्तीय योजना :–**

  5 लाख रूपये तक का ऋण अशासकीय संस्था को 25,000/– रूपये तक प्रति निःशक्त व्यक्ति हेतु दिया जाता है।

- **शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण :–**

  इस निगम द्वारा 10 लाख रूपये तक भारत में शिक्षा हेतु एवं 20 लाख रूपये तक विदेश में शिक्षा हेतु ऋण दिया जाता है! ऋण का भुगतान प्रशिक्षण समाप्त होने के 6 माह अथवा नौकरी मिलने पर जो भी पहले होगा।

- **मानसिक मंद दिव्यांगजनों के माता–पिता द्वारा संचालित एसोसिएशन हेतु :–**

  उक्त योजना अन्तर्गत 5 लाख रूपये तक का ऋण दिया जाता है।

**पात्रता :–**

1. 40 प्रतिशत या अधिक निःशक्त हो।
2. आयु 18 से 60 वर्ष के बीच हो।

**वार्षिक आय :–**

1. शहरी क्षेत्र में 5 लाख रूपये प्रतिवर्ष से कम हो।
2. ग्रामीण क्षेत्र में 3 लाख रूपये प्रतिवर्ष से कम हो।
3. संबंधित शैक्षिक/तकनीकी/व्यवसायिक योग्यता और अनुभव।

**ब्याज दर :–**

1. 50 हजार रूपये तक – 5 प्रतिशत प्रतिवर्ष
2. 50 हजार रूपये से अधिक और 5 लाख रूपये तक – 6 प्रतिशत प्रतिवर्ष
3. 5 लाख रूपये से अधिक (शिक्षा/प्रशिक्षण हेतु ऋण) – 8 प्रतिशत प्रतिवर्ष
4. सभी ऋण 10 वर्ष के भीतर जमा किए जाएंगे।
5. दिव्यांग महिलाओं के लिए 1 प्रतिशत प्रतिवर्ष की ब्याज पर छूट।
6. दृष्टि बाधित/श्रवण बाधित/मानसिक मंद दिव्यांग हितग्राहियों को 0.5 प्रतिशत की अतिरिक्त छूट।

Scanned with OKEN Scanner

छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम रायपुर द्वारा वित्तीय वर्ष 2014 - 15 में दिव्यांगजनों को स्वीकृत ऋण प्रकरणों की जिलावार स्वीकृत प्रकरणों की संख्या एवं स्वीकृत राशि

| क्र. | जिला | वर्ष 2014–15 | |
|---|---|---|---|
| | | प्रकरण | राशि (लाख में) |
| 1 | रायपुर | 10 | 44.69 |
| 2 | महासमुंद | 22 | 80.81 |
| 3 | धमतरी | 10 | 13.47 |
| 4 | दुर्ग | 18 | 55.23 |
| 5 | राजनांदगांव | 5 | 14.58 |
| 6 | कबीरधाम | 1 | 0 |
| 7 | दंतेवाड़ा | 3 | 5.40 |
| 8 | कांकेर | 7 | 21.72 |
| 9 | बिलासपुर | 24 | 123.99 |
| 10 | जांजगीर | 16 | 47.97 |
| 11 | कोरबा | 6 | 7.85 |
| 12 | रायगढ़ | 19 | 81.14 |
| 13 | जशपुर | 17 | 65.84 |
| 14 | सरगुजा | 2 | 9.00 |
| 15 | कोरिया | 52 | 271.64 |
| 16 | बलौदाबाजार | 7 | 38.98 |
| 17 | मुंगेली | 2 | 7.41 |
| 18 | बालोद | 3 | 20.37 |
| 19 | बेमेतरा | 4 | 5.55 |
| | योग | 228 | 853.53 |

## वसूली की स्थिति

### 2004–05 से 2014–15 तक

| | कुल हितग्राही | वितरित ऋण राशि (लाख में) | कुल वसूल की गई राशि (लाख में) | वसूली हेतु शेष राशि (लाख में) |
|---|---|---|---|---|
| 2004–05 से 2014–15 तक | 1663 | 3234.20 | 1109.12 | 2274.89 |



Scanned with OKEN Scanner

# छत्तीसगढ़ निःशक्तजन वित्त एवं विकास निगम

## निगम की पद संरचना

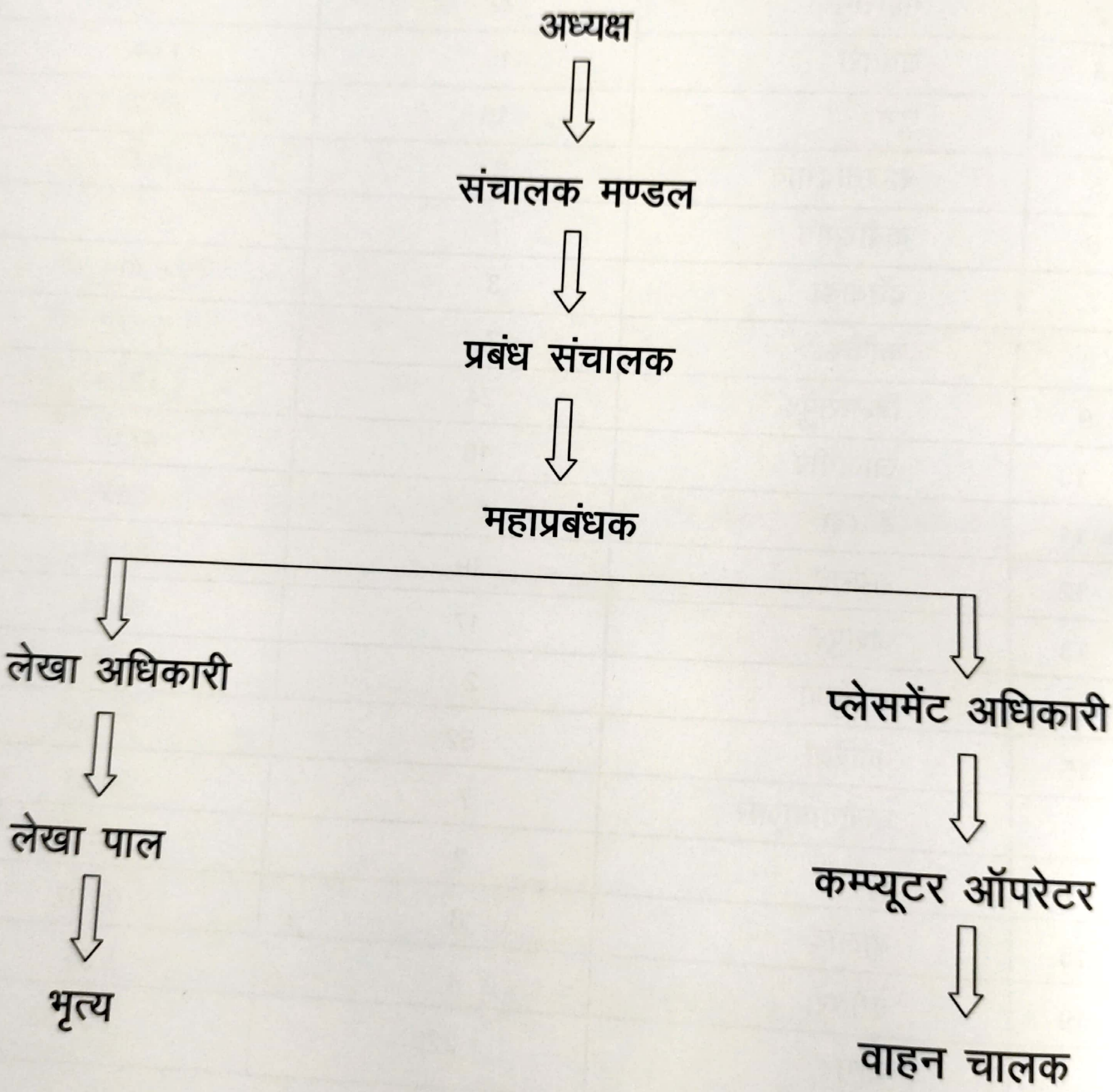


Scanned with OKEN Scanner

# CHHATTISGARH NISHAKT-JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM

# ANNUAL REPORT

## 2014 - 15

Scanned with OKEN Scanner

# Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam

( A company licensed under section 25 of the Companies Act, 1956)

## Balance Sheet as at 31st March, 2015

| PARTICULARS | Notes | As at 31st March, 2015 | As at 31st March, 2014 |
|---|---|---|---|
| **I. EQUITY AND LIABILITIES** | | | |
| **[1] Shareholder's Funds :-** | | | |
| (a) Share Capital | 4 | 50,000,000.00 | 50,000,000.00 |
| (b) Reserves & Surplus | 5 | 100,672,570.35 | 88,597,267.95 |
| **[2] Non-current Liabilities** | | | |
| (a) Long Term Borrowings | 6 | 346,088,152.00 | 218,763,130.00 |
| (b) Other Long Term Liabilities | | - | - |
| **[3] Current Liabilities** | | | |
| (a) Short Term Borrowings | | - | |
| (b) Other Current Liabilities | 7 | 7,507,382.00 | [illegible]7,382.00 |
| (c) Short Term Provisions | 8 | 83,607.00 | 138,731.00 |
| **TOTAL RS.** | | **504,351,711.35** | 365,006,510.95 |
| **II. ASSETS** | | | |
| **[1] Non-current assets :-** | | | |
| **(a) Fixed Assets :-** | | | |
| (i) Tangible Assets | 9 | 472,157.00 | 839,724.00 |
| (ii) Intangible Assets | 9 | - | - |
| **[b] Non-current investments** | | - | |
| **[c] Long-term loans and advances** | 10 | 234,493,487.00 | 159,075,130.00 |
| **[d] Other non-current assets** | 11 | 110,490,726.40 | 125,239,269.00 |
| **[2] Current Assets** | | | |
| (a) Current investments | | - | |
| (b) Cash & bank balances | 12 | 154,8[illegible] | [illegible],680,831.95 |
| (c) Short-term loans and advances | 13 | 1,789,161.00 | 943,943.00 |
| (d) Other current assets | 14 | 2,227,613.00 | 2,227,613.00 |
| **TOTAL RS.** | | **504,351,711.35** | 365,006,510.95 |

**Summary of significant accounting policies** 3

**The accompanying notes are an integral part of the financial statements.**

Place : RAIPUR

Dated : 27/06/2017

**For and on behalf of board of Directors**

**As per our report of even date**

For,Sanjib Jain & Associates

Chartered Accountants

Firm Regn. No. 004993C

Managing Director

DIN-

Director

DIN-

Sanjib Jain & Associates Chartered Accountants FRN-004993C Raipur (C.G.)

[Preetam Jain]

Partner

M.NO. 408432

Scanned with OKEN Scanner

# Chhattisgarh Nishakat Jan Vitt Avam Vikas Nigam

( A company licensed under section 25 of the Companies Act, 1956)

Income & Expenditure Statement for the year ended 31st March,2015

| PARTICULARS | Notes | For the year ended 31st March, 2015 | For the year ended 31st March, 2014 |
|---|---|---|---|
| **Income** | | | |
| Revenue from Operations | 15 | 10,354,604.00 | 1,15,49,089.00 |
| Other Income | 16 | 11,173,820.40 | 1,06,23,835.00 |
| **Total Revenue** | | 21,528,424.40 | 2,21,72,924.00 |
| **Expenses** | | | |
| Employee benefits expenses | 17 | 918,825.00 | 12,62,330.00 |
| Financial Cost | 18 | 5,115,661.00 | 68,71,249.00 |
| Depreciation and amortisation expense | 9 | 318,625.00 | 2,46,431.00 |
| Other expenses | 19 | 3,051,069.00 | 42,04,363.00 |
| **Total Expenses** | | 9,404,180.00 | 1,25,84,373.00 |
| **Surplus(Deficit) before exceptional and Extra-ordinary items** | | 12,124,244.40 | 95,88,551.00 |
| Exceptional items | | - | - |
| **Surplus(Deficit) before exceptional and Extra-ordinary items** | | 12,124,244.40 | 9,588,551.00 |
| **Tax Expenses** | | - | - |
| (i) Current Tax | | - | - |
| (ii) Deffered Tax | | | |
| **Surplus /(Deficit) for the period** | | 12,124,244.40 | 95,88,551.00 |
| **Earnings Per equity share (EPS):** | 20 | 24.25 | 19.18 |
| Basic | | | |
| **Summary of significant accounting policies** | 3 | | |

**The accompanying notes are an integral part of the financial statements.**

**As per our report of even date**
**For,Sanjib Jain & Associates**
**Chartered Accountants**
**Firm Regn. No. 004993C**

Place : RAIPUR
Dated : 27/06/17
**For and on behalf of board of Directors**

Managing Director
DIN-

Director
DIN-

Sanjib Jain & Associates
Chartered Accountants
FRN-004993C
Raipur (C.G.)

[ Neetam Jain ]
Partner
M.NO. 408432



Scanned with OKEN Scanner

## Chhattisgarh Nishaktjan Vitt Avam Vikas Nigam, Raipur

### CASH FLOW STATEMENT FOR THE YEAR ENDED MARCH 31, 2015

| | | Year Ended 31/03/2015 | Year Ended 31/03/2014 |
|---|---|---|---|
| **A. Cash Flow from Operating Activities** | | | |
| Net Profit before Tax and Extra-ordinary Items | | 12,124,244.40 | 9,588,551.00 |
| **Adjusted for :** | | | |
| Depreciation and Amortisation | | 318,625.00 | 246,431.00 |
| Interest Expense | | 5,112,624.00 | 6,869,280.00 |
| **Operating Profit before working capital changes** | | 1,75,55,493.40 | 16,704,262.00 |
| **Adjustments for :** | | | |
| (Increase) / Decrease in Other Receivables | | - | - |
| (Increase) / Decrease in Loans & Advances | | (78,052,736.00) | (44769226.00) |
| (Increase) / Decrease in Other current Assets | | - | - |
| (Increase) / Decrease in Other non-current Assets | | 14,748,542.60 | (10,023,056.00) |
| (Decrease)/ Increase in Provisions | | (55,124.00) | (10,708.00) |
| (Decrease)/ Increase in other current liabilities | | - | 2,256,647.00 |
| (Decrease)/ Increase in other long-term liabilities | | - | - |
| **Cash generated from Operations** | | (45,803,824.00) | (35,842,081.00) |
| Direct Taxes paid | | 1,789,161.00 | 943,943.00 |
| Prior Period Adjustment | | - | - |
| **Net cash from/( used in ) Operating Activities** | [A] | (44,014,663.00) | (34,898,138.00) |
| **B. Cash Flow from Investing Activities** | | | |
| Purchase of tangible Fixed Assets | | - | - |
| Purchase of intangible Fixed Assets | | - | - |
| **Net cash used for Investing Activities** | [B] | - | - |
| **C. Cash Flow from Financing Activities** | | | |
| Proceeds from Issuance of Equity Share Capital | | - | - |
| Proceeds/(Repayment) of Long Term Borrowings | | 127,325,022.00 | 89,471,893.00 |
| Proceeds/(Repayment) from other borrowings | | - | - |
| Interest paid | | (5,112,624.00) | (6,869,280.00) |
| **Net cash used in Financing Activities** | [C] | 12,22,12,398.00 | 8,26,02,613.00 |
| Net increase/(Decrease) in Cash and Cash Equivalents [ A+B+C ] | | 78,197,735.00 | 47,704,475.00 |
| Cash & Cash Equivalent at the beginning of the year | | 76,680,831.95 | 28,976,356.95 |
| Cash & Cash Equivalent at the end of the year | | 154,878,566.95 | 76,680,831.95 |

Notes : 1) Cash Flow Statement has been prepared as per AS-3 under Indirect Method.
2) Figures in the brackets represents outflows.
3) Cash and Cash equivalents includes cash & balances with banks and deposits with banks.
4) Previous period figures have been rearranged/regrouped wherever necessary.

Place : RAIPUR
Dated : 27/08/17

AS PER OUR REPORT OF EVEN DATE
**For, Sanjib Jain & Associates**
Chatered Accountants
Firm Regn. No.-004993C

**FOR AND ON BEHALF OF BOARD**

MANAGING DIRECTOR
DIN-

DIRECTOR
DIN-

Sanjib Jain & Associates
Chartered Accountants
FRN-004993C

[ Preetam Jain ]
Partner

Scanned with OKEN Scanner

No. CAW/S-2/A'cs-14/CNJVAVN/2014-15/F-686/D- 184

**भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग**

कार्यालय महालेखाकार ( लेखा परीक्षा ), छत्तीसगढ़, रायपुर

**INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT**

Office of Accountant General (Audit), Chhattisgarh, Raipur

दिनांक 19.06.19
Date :

प्रति,

प्रबंध निदेशक,
छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त एवं विकास निगम
पुराना डीआरडीओ बिल्डिंग, कलेक्ट्रेट परिसर
रायपुर (छ.ग.) 492001

विषयः—कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ब) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त एवं विकास निगम के 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ।

महोदया/महोदय,

कम्पनी अधिनियम 2013 की धारा 143 (6) (ब) के अंतर्गत छत्तीसगढ़ निःशक्त जन वित्त एवं विकास निगम के 31 मार्च 2015 को समाप्त वर्ष के लेखों पर भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियाँ प्रेषित है। भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक की टिप्पणियों को समाविष्ट कर प्रकाशित वार्षिक लेखों की छः प्रतियाँ वार्षिक सामान्य सभा (AGM) के समक्ष प्रस्तुत करने के उपरान्त AGM कार्यवाही विवरण की एक प्रति सहित इस कार्यालय को अग्रेषित करें।

संलग्नक– यथोपरी

भवदीया,

उप महालेखाकार
(आर्थिक एवं राजस्व क्षेत्र)

Scanned with OKEN Scanner

# COMMENTS OF THE COMPTROLLER AND AUDITOR GENERAL OF INDIA UNDER SECTION 143(6)(b) OF THE COMPANIES ACT, 2013 ON THE FINANCIAL STATEMENTS OF CHHATTISGARH NISHAKT JAN VITT AVAM VIKAS NIGAM FOR THE YEAR ENDED 31 MARCH 2015

The Management is responsible for the preparation of financial statements of Chhattisgarh Nishakt Jan Vitt Avam Vikas Nigam for the year ended 31 March 2015 in accordance with the financial reporting framework prescribed under the Companies Act, 2013 (Act). The Statutory Auditors appointed by the Comptroller and Auditor General of India under Section 139(5) of the Act are responsible for expressing opinion on the financial statements under Section 143 of the Act based on independent audit in accordance with the Standards on auditing prescribed under Section 143(10) of the Act. This is stated to have been done by them vide their Audit Report dated 27June 2017.

I, on behalf of the Comptroller and Auditor General of India, have conducted a supplementary audit under Section 143(6) (a) of the Act of the financial statements of Chhattisgarh Nishakt Jan VittAvamVikas Nigam for the year ended31 March 2015. This supplementary audit has been carried out independently without access to the working papers of the Statutory Auditors and is limited primarily to inquiries of the Statutory Auditors and Company personnel and a selective examination of some of the accounting records. Based on my supplementary audit, I would like to highlight the following significant matters under Section 143(6)(b) of the Act which have come to my attention and which in my view are necessary for enabling a better understanding of the financial statements and the related Audit Report.

Scanned with OKEN Scanner

## A. Comments on Profitability

**Income & Expenditure Statement**
**Employee benefit expenses &**
**Other Expenses (Note 17 & 19): ₹ 39.70 lakh**

1. The above includes ₹ 1.43 lakh being expenditure incurred towards Employees Benefit expenses and Other expenses pertaining to the year 2013-14 but paid in 2014-15. These expenses should have been recognised as prior period expenses. This incorrect accounting treatment has resulted in overstatement of current year's expenses and understatement of Surplus as well as prior period expenses by ₹ 1.43 lakh.

## B. Comments on Financial Position

**Balance Sheet**
**Equity and Liabilities**
**Current Liabilities**
**Other current liabilities (Note - 7) -₹ 75.07 lakh**

2. As per lending policy of National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC), the Company is required to share five *percent* of the project cost to be disbursed to beneficiaries for loans above ₹ 50,000. However, the Company neither disbursed nor made provision for ₹ 41.55 lakh being the amount of Company's share payable to beneficiaries. This has resulted in understatement of Other Current Liabilities and overstatement of Surplus by ₹ 41.55 lakh.

**Other Non-Current Assets (Note 11): ₹ 11.05 crore**

3. The above represents the amount kept in Fixed Deposits (having maturity date after one year) with accrued interest thereon. As per Schedule III, of the Companies Act, 2013 this should have been shown as 'Bank deposits with more than 12 months maturity' under the head of Cash and Cash Equivalents in Current Assets. This has resulted in overstatement of Non-current assets by ₹ 11.05 crore and understatement of Cash and Cash Equivalents to the extent.

**Non-Current Liabilities**
**Long-Term Borrowings (Note 6): ₹34.61 crore**

4. The revised Schedule VI to the Companies Act 1956, requires that the Long-Term Borrowings shall be further classified as secured loans and unsecured loans. However, in accounts total amount of ₹ 34.61 payable to the National Handicapped Finance and Development Corporation (NHFDC) has been shown as unsecured loans



Scanned with OKEN Scanner

although Government of Chhattisgarh (GoCG) had provided a guarantee of ₹ 34.31 crore. Accordingly, the Long –Term Borrowings of ₹ 34.31 crore should have been classified as secured loan and ₹ 0.30 crore should have been classified as unsecured loans. Therefore, the disclosure in notes was deficient to that extent.

Further, the Statutory Auditor also in their Report qualified the Long-Term Borrowings of ₹ 34.61 crore as unsecured loans. Therefore, the auditor qualification is factually incorrect.

**Long-Term Loans and Advances**
**Loans to Beneficiaries (Note 10):₹23.43 crore**

5. The above includes ₹1.20 crore towards amount recoverable for more than three years from 114 beneficiaries as of March 2015. However, no provision for doubtful loans ₹1.20 crore was made, due to absence of policy for identifying the non-performing assets.

This has resulted in understatement of Provision for doubtful loans to beneficiaries and overstatement of Long-Term Loans and Advances as well as Surplus by ₹1.20 crore.

**C. Other Comments**

6. The Company held Annual General Meeting (AGM) on 10 November 2014 wherein accounts for the year 2007-08 was adopted. Thereafter no AGM was held as per requirement of Section 96(1) of the Companies Act, 2013.

Further, the fact that audited financial statement for the period from 2007-08 onwards were not adopted by the Shareholders in AGM, was also not reported by the Statutory Auditor's in their Report.

**For and on behalf of**
**the Comptroller and Auditor General of India**

**Place: Raipur**
**Date: 19.06.2019**

**Accountant General (Audit)**



Scanned with OKEN Scanner